



Mr.Harpreet Singh



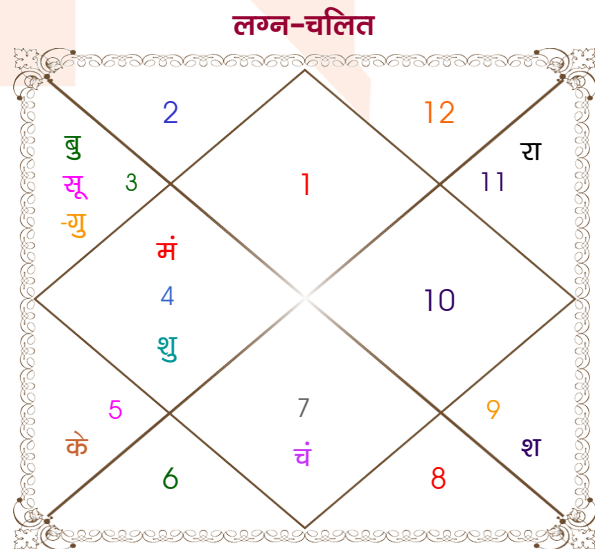
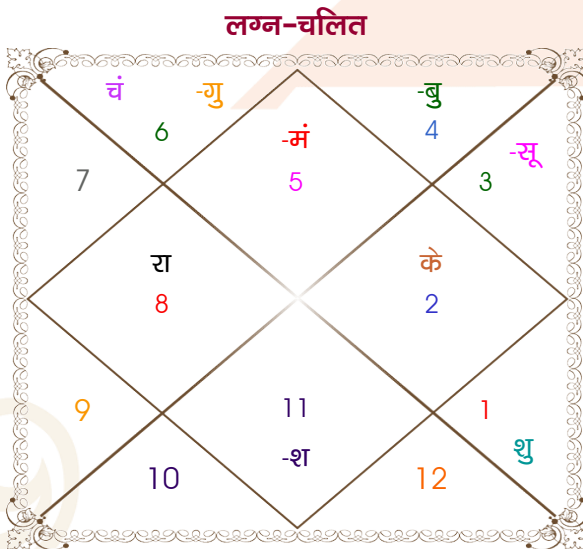
Ms.Kamalpreet Kaur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119838302

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 27/06/1993 : _____ जन्म तिथि _____ : 13-14/07/1989
 रविवार : _____ दिन _____ : गुरु-शुक्रवार
 घंटे 11:35:00 : _____ जन्म समय _____ : 01:30:00 घंटे
 घटी 15:24:07 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 49:54:04 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Ludhiana : _____ स्थान _____ : Moga
 30:56:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 30:49:00 उत्तर
 75:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 75:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:29:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:25:21 : _____ सूर्योदय _____ : 05:35:14
 19:33:33 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:34:08
 23:46:14 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:42:49

विंशोत्तरी चन्द्र 5वर्ष 6मा 26दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 5वर्ष 4मा 24दि बुध	
23/01/2024		29:43:43	सिंह	लग्न	मेष	26:41:51	07/12/2013	
23/01/2040		11:50:18	मिथु	सूर्य	मिथु	27:40:15	07/12/2030	
गुरु	12/03/2026	15:54:12	कन्या	चंद्र	तुला	28:49:58	बुध	05/05/2016
शनि	22/09/2028	08:30:14	सिंह	मंगल	कर्क	23:16:18	केतु	02/05/2017
बुध	29/12/2030	03:44:39	कर्क	बुध	मिथु	22:17:50	शुक्र	02/03/2020
केतु	05/12/2031	11:59:17	कन्या	गुरु	मिथु	02:38:20	सूर्य	06/01/2021
शुक्र	05/08/2034	26:55:22	मेष	शुक्र	कर्क	23:55:22	चन्द्र	08/06/2022
सूर्य	24/05/2035	06:19:17	कुंभ व	शनि व	धनु	16:04:55	मंगल	05/06/2023
चन्द्र	22/09/2036	18:13:03	वृश्चि	राहु व	कुंभ	02:39:16	राहु	22/12/2025
मंगल	29/08/2037	18:13:03	वृष	केतु व	सिंह	02:39:16	गुरु	29/03/2028
राहु	23/01/2040	27:02:41	धनु व	हर्ष व	धनु	08:52:43	शनि	07/12/2030
		26:23:30	धनु व	नेप व	धनु	16:59:46		
		29:18:13	तुला व	प्लूटो व	तुला	18:40:37		



Harvinder Singh Astrologer Gold Medalist

#14850, Street No 7 Parbhat Nagar Dholewal Ludhiana 141003 Punjab India
98140-28644

astrovision@msn.com www.astro-vision.co.in

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्भंतचतममजैपदही का वर्ग मेष है तथा Ms.Kamalpreet Kaur का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्भंतचतममजैपदही और Ms.Kamalpreet Kaur का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्भंतचतममजैपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms.Kamalpreet Kaur मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः ।
कुजदोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Kamalpreet Kaur कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः ।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

Harvinder Singh Astrologer Gold Medalist

#14850, Street No 7 Parbhat Nagar Dholewal Ludhiana 141003 Punjab India

98140-28644

astrovision@msn.com www.astro-vision.co.in

क्योंकि मंगल Ms.Kamalpreet Kaur कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Kamalpreet Kaur कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण्भंतचतममजै पदही कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्भंतचतममजै पदही तथा Ms.Kamalpreet Kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।